BYJU'S EXAM PREP

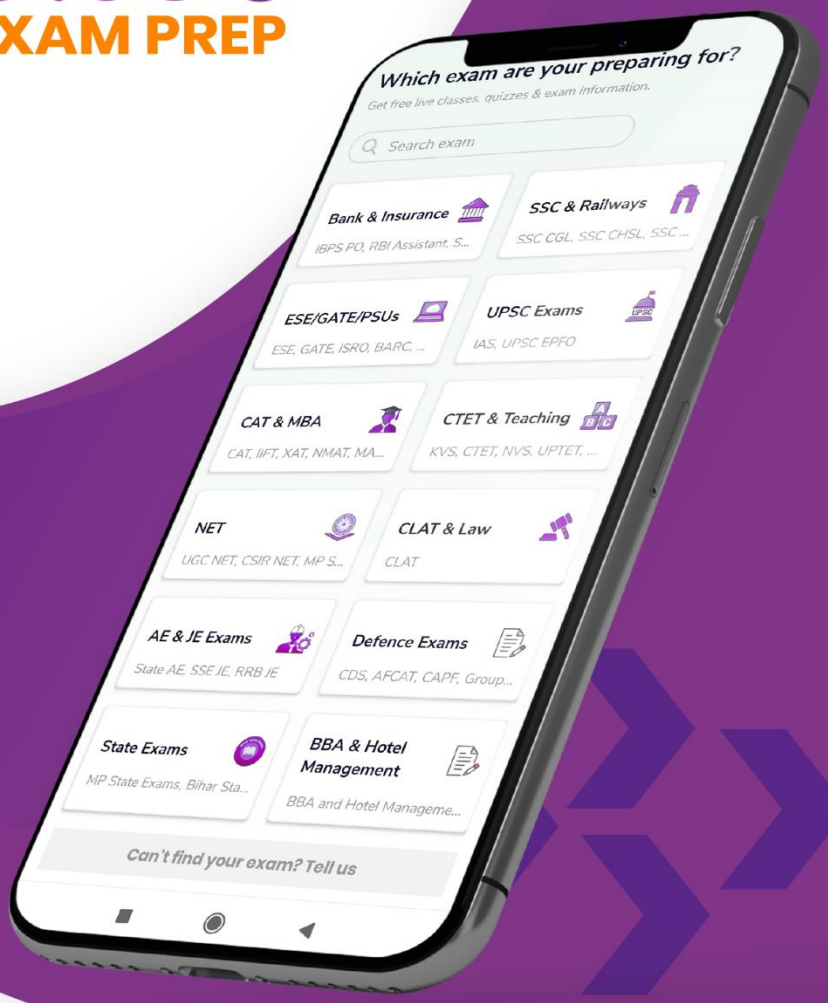

SSC 2023
भारत का प्राचीन इतिहास नोट्स PDF

https://byjusexamprep.com

GET IT ON Google Play

भारत का प्राचीन इतिहास नोट्स

भारत का प्राचीन इतिहास

भारत का एक समृद्ध और विविध इतिहास है जो 5,000 से अधिक वर्षों तक फैला हुआ है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर मुगल साम्राज्य तक, भारत ने कई शक्तिशाली राज्यों और साम्राज्यों का उत्थान और पतन देखा है। भारत का प्राचीन इतिहास इतिहासकारों, पुरातत्वविदों और उत्साही लोगों के लिए समान रूप से रुचि का विषय है। इस लेख में, हम प्राचीन भारतीय इतिहास के कुछ प्रमुख पहलुओं का पता लगाएंगे, जिनमें महत्वपूर्ण व्यक्तित्व, ऐतिहासिक स्थान, पुस्तकें, मंदिर और निर्माता शामिल हैं।

भारतीय इतिहास की उत्पत्ति

भारत में सबसे पुरानी ज्ञात **सभ्यता सिंधु घाटी सभ्यता** है, जो भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में 2600 ईसा पूर्व के आसपास उभरी थी। सभ्यता को उन्नत शहरी नियोजन, जल निकासी व्यवस्था और व्यापार नेटवर्क की विशेषता थी, और माना जाता है कि बाद के वैदिक काल के विकास को प्रभावित किया है।

वैदिक काल, जो 1500 से 500 ईसा पूर्व तक फैला हुआ है, वेदों की रचना, हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथों और पहले भारतीय राज्यों और साम्राज्यों के उदय से चिह्नित है। इस अवधि में संस्कृत का विकास, भारत की शास्त्रीय भाषा, और हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म का प्रसार देखा गया।

भारत के प्राचीन इतिहास के महत्वपूर्ण विषय

भारत के प्राचीन इतिहास में राजनीति और धर्म से लेकर कला, वास्तुकला और विज्ञान तक कई विषय शामिल हैं। कुछ सबसे महत्वपूर्ण विषयों में शामिल हैं:

- **साम्राज्यों का उत्थान और पतन:** भारत ने अपने पूरे इतिहास में कई शक्तिशाली साम्राज्य देखे हैं, मौर्य साम्राज्य से, जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में भारतीय उपमहाद्वीप पर हावी था, गुप्त साम्राज्य तक, जिसने चौथी से छठी शताब्दी सीई में साहित्य, कला और दर्शन के स्वर्ण युग की शुरुआत की।
- **धर्म और दर्शन:** भारत ने दुनिया के कुछ प्रमुख धर्मों को जन्म दिया है, जैसे कि हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म, साथ ही महत्वपूर्ण दार्शनिक परंपराएं, जैसे योग और आयुर्वेद।

Join Our Classroom Program Now

BYJU'S EXAM PREP

- **कला और वास्तुकला:** भारत कला और वास्तुकला की एक समृद्ध परंपरा का दावा करता है, जिसमें अजंता और एलोरा के प्रसिद्ध गुफा मंदिर, खजुराहो और हम्पी के उत्कृष्ट मंदिर और ताजमहल और लाल किले के मुगल स्मारक शामिल हैं।
- **विज्ञान और गणित:** प्राचीन भारत ने गणित, खगोल विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया, आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त और चरक जैसे विद्वानों ने आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान की नींव रखी।

भारत के मानचित्र का प्राचीन इतिहास

प्राचीन भारत के भौगोलिक विस्तार को समझने के लिए मानचित्र का सहारा लेना सहायक होता है। भारतीय उपमहाद्वीप एक विशाल भूभाग है जिसमें वर्तमान भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और अफगानिस्तान और म्यांमार के कुछ हिस्से शामिल हैं। प्राचीन भारत का नक्शा विभिन्न साम्राज्यों, साम्राज्यों और राजवंशों की सीमा को दर्शाता है जिन्होंने पूरे इतिहास में इस क्षेत्र पर शासन किया।

भारत का प्राचीन इतिहास समयरेखा

भारत के प्राचीन इतिहास की एक समयरेखा देश के अतीत को आकार देने वाली प्रमुख घटनाओं और अवधियों का एक उपयोगी अवलोकन प्रदान करती है। यहां कुछ प्रमुख उपलब्धियां दी गई हैं:

- सिंधु घाटी सभ्यता (2600-1900 ईसा पूर्व)
- वैदिक काल (1500-500 ईसा पूर्व)
- मौर्य साम्राज्य (321-185 ईसा पूर्व)
- गुप्त साम्राज्य (320-550 ईस्वी)
- दिल्ली सल्तनत (1206-1526 ईस्वी)
- मुगल साम्राज्य (1526-1857 ईस्वी)

प्राचीन इतिहास भारत: महत्वपूर्ण व्यक्तित्व

अपने पूरे इतिहास में, भारत ने कई उल्लेखनीय व्यक्तित्व पैदा किए हैं जिन्होंने दुनिया पर अपनी छाप छोड़ी है। कुछ सबसे उल्लेखनीय आंकड़ों में शामिल हैं:

Join Our Classroom Program Now

BYJU'S EXAM PREP

- गौतम बुद्ध: बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध का जन्म ईसा पूर्व छठी शताब्दी में नेपाल में हुआ था। उन्होंने ज्ञान प्राप्त करने के लिए चार आर्य सत्य और अष्टांग मार्ग की शिक्षा दी, जो बौद्ध धर्म का आधार बना।
- सम्राट अशोक: अशोक मौर्य साम्राज्य का तीसरा शासक था, जिसने 268 से 232 ईसा पूर्व तक शासन किया। वह क्रूर कलिंग युद्ध के बाद बौद्ध धर्म में परिवर्तित हो गया और अहिंसा, धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक कल्याण की अपनी नीतियों के लिए जाना जाने लगा।
- सम्राट अकबर: अकबर तीसरा मुगल सम्राट था, जिसने 1556 से 1605 ई. तक शासन किया। वह अपनी धार्मिक सहिष्णुता, कलात्मक संरक्षण और प्रशासनिक सुधारों के लिए जाने जाते थे, जिसके कारण उन्हें अकबर महान का खिताब मिला।
- महात्मा गांधी: गांधी भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के नेता और अहिंसक प्रतिरोध के समर्थक थे। उन्होंने दुनिया भर में नागरिक अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए आंदोलनों को प्रेरित किया और उनकी विरासत आज भी लोगों को प्रेरित करती है।
- **सिकंदर**: यह यूनान में मैसेडोनिया का शासक था। उसने 326 ईसा पूर्व में भारत पर हमला किया और ब्यास नदी तक कब्जा कर लिया।
- **अजातशत्रु:** बिम्बिसार के पुत्र। उसने पाटलिपुत्र नगर की स्थापना की।
- **एरियन:** यूनानी इतिहासकार जिसने सिकंदर के भारतीय आक्रमण के बारे में लिखा।
- **अश्वघोष:** कनिष्क को बौद्ध धर्म की दीक्षा देने वाले बौद्ध भिक्षु ने बुद्धचरित, सूत्रलंकार और संदारानंद की रचना की।
- **अमरसिम्हा:** चंद्रगुप्त के दरबार में संस्कृत के विद्वान जिन्होंने अमरकोष लिखा था।
- **आर्यभट्ट:** उन्होंने सौर और चंद्र ग्रहणों के कारणों का विश्लेषण किया और घोषणा की कि पृथ्वी गोल है। आर्यभट्टियम लिखा।
- **बिम्बिसार:** मगध साम्राज्य या हर्यंक वंश की स्थापना की। वह प्राचीन भारत का पहला प्रभावशाली राजा था।
- **बाणभट्ट:** हर्षवर्धन के दरबारी कवि और हर्ष चरित और कादंबरी के लेखक।
- **चरक :** ये एक आयुर्वेदिक विशेषज्ञ थे जिन्होंने चरक-संहिता लिखी और आयुर्वेदिक औषधियों की ऐतरेय शाखा की स्थापना की।
- **अमोघवर्ष:** यह एक प्रसिद्ध राष्ट्रकूट शासक था।
- **धनानंद:** वह मगध का एक शक्तिशाली राजा था। उसकी ख्याति सुनकर ही सिकंदर मगध पर आक्रमण करने के लिए आगे नहीं बढ़ा।
- **डेरियस I:** ईरान (फारस) का शासक जिसने छठी शताब्दी ईसा पूर्व में भारत पर आक्रमण किया था।
- **गौतमी पुत्र शातकर्णी:** वह दूसरी शताब्दी में सबसे प्रसिद्ध सातवाहन राजा थे।

Join Our Classroom Program Now

- **हरीसेन:** वह प्रयाग प्रशस्ति या इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख के लेखक थे।
- **खारवेल:** पहली शताब्दी ईस्वी में कलिंग का शासक। प्रसिद्ध हाथीगुंभ शिलालेख उन्हीं का था।
- **कनिष्क :** (पहली शताब्दी ईस्वी) : सबसे शक्तिशाली कुषाण राजा। शक काल की शुरुआत की। कश्मीर के निकट कुण्डलवन में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन किया।
- **करिकाल:** चोल शासक जिसने पहली शताब्दी ईसा पूर्व में पुहार (कावेरी पटनम) शहर की स्थापना की थी।
- **कौटिल्य:** जिन्हें विष्णुगुप्त या चाणक्य के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अर्थशास्त्र लिखा, जिसकी तुलना मैकियावेली के 'राजकुमार' से की जाती है।
- **कालिदास:** प्रसिद्ध संस्कृत कवि जिन्होंने रघुवंश, कुमार संभवम, अभिज्ञान शाकुंतलम, विक्रमोर्वशियम और मालविकाग्निमित्रम लिखा। उन्होंने मेघदूतम् और ऋतुसंहारम भी लिखे।
- **कम्बन:** 11वीं सदी के एक तमिल कवि जिन्होंने तमिल में रामायण लिखी।
- **मिहिर भोज:** 9वीं शताब्दी के प्रसिद्ध प्रतिहार शासक।
- **कल्हण -** प्रसिद्ध कश्मीरी कवि और इतिहासकार। उन्होंने राजतरंगिणी लिखी।
- **मार्को पोलो:** 13वीं शताब्दी में भारत का वेनीशियन यात्री।
- **मिनाण्डर:** वह द्वितीय शताब्दी ई.पू. में एक विदेशी आक्रमणकारी के रूप में भारत आया। नागसेन द्वारा लिखित पुस्तक मिलिन्दपन्हो उनके बारे में है।
- **नागार्जुन:** प्रसिद्ध बौद्ध भिक्षु। उन्होंने माध्यमिक के नाम से जाने जाने वाले दर्शन को उजागर किया।
- **मक्कली गोशाल:** छठी शताब्दी ईसा पूर्व के दार्शनिक। वे अजीविका संप्रदाय के संस्थापक थे।
- **मिहिरकुल:** हूण विजेता यशोधर्म द्वारा पराजित।
- **स्कंद गुप्त:** अंतिम शक्तिशाली गुप्त शासक।
- **सुश्रुत:** वह आयुर्वेदिक चिकित्सा के चिकित्सक थे। उन्होंने धनवंतरी शाखा शुरू की और प्लास्टिक सर्जरी के विशेषज्ञ थे।
- **पुलिकेशिन II:** वातापी के चालुक्यों के सबसे शक्तिशाली राजा जिन्होंने उत्तर में हर्षवर्धन और दक्षिण के महेन्द्रवर्मन को हराया था।
- **पुष्य मित्र शुंग:** उसने अंतिम मौर्य शासक की हत्या कर दी और 185 ईसा पूर्व में शुंग वंश की नींव रखी।
- **प्लिनी:** वह एक रोमन इतिहासकार था जिसने प्राकृतिक इतिहास लिखा था। उन्होंने भारत के मौर्यों के बारे में लिखा।
- **पाणिनि:** विशेष रूप से व्याकरण के संस्कृत विद्वान। उन्होंने अष्टाध्यायी लिखी।
- **वराहमिहिर:** वह प्रसिद्ध खगोलशास्त्री थे जिन्होंने बृहत्संहिता की रचना की थी।
- **शंकराचार्य:** उनका जन्म केरल के कलादी में हुआ था। उन्होंने अद्वैत दर्शन का प्रचार किया।

Join Our Classroom Program Now

प्राचीन इतिहास भारत: प्रणाली

- **सांख्य-** कपिल ऋषि
- **योग-** पतंजलि
- **वैशेषिक-** कन्नड़
- **न्याय-**अक्षपद (गौतम)
- **मीमांसा-** जैमिनी

बुद्ध के प्रतीक

- **जन्म-** कमल और बैल
- **त्याग-**घोड़ा
- **ज्ञानोदय -** बोधिवृक्ष
- **प्रथम उपदेश -** धर्म चक्र
- **निर्वाण (मृत्यु)-** पदचिह्न

प्रसिद्ध युग

- **विक्रम संवत** - 58 ई.पू
- **शक संवत** - 78 ई
- **गुप्त काल-** 320 ई
- **हिजरा संवत**- 622 ई
- **कोल्लम काल** - 825 ई
- **इलाही काल** - 1583 ई

प्राचीन इतिहास भारत: ऐतिहासिक स्थान और उनका महत्व

भारत कई ऐतिहासिक स्थानों का घर है जिनका महान सांस्कृतिक, धार्मिक और वास्तुशिल्प महत्व है। भारत के कुछ सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थानों में शामिल हैं:

- ताजमहल: ताजमहल आगरा में एक शानदार मकबरा है, जिसे मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी प्रिय पत्नी मुमताज महल की याद में बनवाया था। इसे दुनिया के सात अजूबों में से एक और यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल माना जाता है।

Join Our Classroom Program Now

- अजंता और एलोरा की गुफाएँ: अजंता और एलोरा की गुफाएँ महाराष्ट्र में रॉक-कट मंदिरों और मठों की एक श्रृंखला हैं, जो दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व की हैं। वे अपनी जटिल नक्काशी और चित्रों के लिए प्रसिद्ध हैं, जो बुद्ध और अन्य देवताओं के जीवन के दृश्यों को दर्शाते हैं।
- हम्पी: हम्पी कर्नाटक का एक प्राचीन शहर है, जो 14वीं से 16वीं शताब्दी सीई में विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी। यह विरुपाक्ष मंदिर और विट्ठल मंदिर सहित कई प्रभावशाली मंदिरों, महलों और स्मारकों का घर है।
- खजुराहो मंदिर: खजुराहो मंदिर मध्य प्रदेश में हिंदू और जैन मंदिरों का एक समूह है, जिसे 9वीं और 11वीं शताब्दी सीई के बीच बनाया गया था। वे अपनी कामुक मूर्तियों और जटिल नक्काशी के लिए प्रसिद्ध हैं, जिन्हें भारतीय मंदिर कला के कुछ बेहतरीन उदाहरण माना जाता है।
- **अयोध्या-** श्री राम की जन्मभूमि (यूपी)
- **आमेर पैलेस-** राजस्थान
- **आगाखान पैलेस-** पुणे (महाराष्ट्र) (गांधी और कस्तूरबा को यहां जेल में रखा गया था)
- **केदारनाथ-** हिंदुओं का पवित्र स्थान (उत्तराखंड)
- **अमरनाथ-** तीर्थस्थल (कश्मीर)
- **एलिफेंटा की गुफाएँ-** मुंबई के पास
- **एलोरा गुफाएं-** महाराष्ट्र - 34 गुफा मंदिर (हिंदू, बुद्ध - जैन)
- **राजगीर-** बिहार में जैन मंदिर
- **स्वर्ण मंदिर-** अमृतसर - सिखों का हरमंदिर साहिब
- **गोलगुंबज-** बीजापुर (कर्नाटक) मुहम्मद आदिल शाह का मकबरा
- **तंजौर-** चोलों की राजधानी - बृहदेश्वर मंदिर
- **चारमीनार-** हैदराबाद (प्लेग उन्मूलन का स्मारक)
- **कोणार्क मंदिर-** उड़ीसा (सूर्य मंदिर)
- **कुतुब मीनार-** दिल्ली
- **खजुराहो-** भोपाल (म.प्र.) के पास 80 मंदिर
- **महाबलीपुरम-** पल्लव वास्तुकला का केंद्र (तमिलनाडु)
- **कुरुक्षेत्र-** महाभारत का युद्ध (हरियाणा में)
- **ताजमहल-** आगरा (यूपी) शाहजहाँ द्वारा निर्मित
- **सांची-** बौद्ध स्तूप (मध्य प्रदेश)
- **हरिद्वार-** हिंदुओं का पवित्र स्थान (उत्तराखंड)

भारत के प्राचीन इतिहास की पुस्तकें

Join Our Classroom Program Now

प्राचीन भारतीय इतिहास पर कई उत्कृष्ट पुस्तकें हैं जो देश के अतीत के बारे में व्यापक और व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। प्राचीन भारतीय इतिहास की कुछ सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों में शामिल हैं:

- इंडिया: ए हिस्ट्री बाय जॉन के: यह भारत का एक व्यापक और आकर्षक इतिहास है, जो सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आज तक फैला हुआ है। इसमें राजनीति, संस्कृति, धर्म और अर्थव्यवस्था सहित कई विषयों को शामिल किया गया है।
- अल बाशम द्वारा द वंडर दैट वाज़ इंडिया: यह उत्कृष्ट कार्य भारतीय इतिहास और संस्कृति का व्यापक अवलोकन प्रदान करता है।
- **चंद्र व्याकरण-** चंद्रगोमिन
- **अमर कोश -** अमर सिंह
- **नीति शास्त्र -** कमन्दक
- **कामसूत्र -** वात्स्य यान
- **पंचसिद्धांतिका-** वराहमिहिर
- **अष्टांग हृदय -** वाघभट्ट
- **हस्तयुर्वेद-** पुलकप्य
- **सांख्यकारिका-** ईश्वरकृष्ण

प्राचीन भारत का इतिहास: मंदिर और निर्माता

प्राचीन भारत समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थापत्य चमत्कारों का देश है, इसके कई मंदिर और स्मारक देश के गौरवशाली अतीत के प्रमाण के रूप में खड़े हैं। इन मंदिरों और स्मारकों का निर्माण कुशल कारीगरों और कारीगरों द्वारा किया गया था, जिन्होंने दुनिया की अब तक की सबसे शानदार संरचनाओं में से कुछ को बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। इस लेख में, हम प्राचीन भारतीय मंदिरों और उनके पीछे मास्टर बिल्डरों की दुनिया का पता लगाएंगे। इसके अतिरिक्त, हम यह भी देखेंगे कि पीडीएफ प्रारूप में भारत के प्राचीन इतिहास को कहां खोजा जाए, जिससे पाठकों को देश के अतीत के बारे में बहुमूल्य जानकारी आसानी से मिल सके।

- **एलोरा स्थित कैलास मंदिर -** कृष्ण प्रथम
- **चुन्नाकेशव मंदिर, बेलूर-** विष्णुवर्धन
- **महाबलीपुरम में रथ-** नरसिंहवर्मन प्रथम
- **बृहदेश्वर मंदिर, तंजावुर-** राजराजा चोल
- **शोर मंदिर, महाबलीपुरम-** नरसिम्हा वर्मन II
- **लिंगराज मंदिर, भावेश्वर -** पूर्वी गंगराब।

Join Our Classroom Program Now

- **खजुराहो के मंदिर**- चंदेल
- **राजराजेश्वर मंदिर, तंजावुर-** राजा राजा प्रथम
- **मदुरै में मीनाक्षी मंदिर-** नायक शासक
- **तंजावुर में शिव मंदिर-** राज राजा चोल

Join Our Classroom Program Now

BYJU'S EXAM PREP

Buy Test Series

Unlock All 650+ Mock Tests for SSC & Railway

- Unlimited Access
- All Exams covered
- Designed by Experts
- Performance Analysis

https://byjusexamprep.com